भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2770
बुधवार, 05 अगस्त, 2026 को उत्तर देने के लिए

'नाविक' प्रणाली के अंतर्गत उपग्रह

2770. श्री मुरसोली एस.:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान 'नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन' (नाविक) प्रणाली के अंतर्गत विफल हुए या सेवा से बाहर हुए उपग्रहों की उपग्रह-वार संख्या कितनी है;

(ख) पूर्ववर्ती 'नाविक' उपग्रहों में रिपोर्ट की गई एटॉमिक क्लॉक की खराबी सहित ऐसी विफलता के चिह्नित किए गए कारण क्या हैं और सरकार द्वारा उन्हें बहाल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) पूर्ण तारामंडल क्षमता को बहाल करने के लिए प्रतिस्थापन या दूसरी पीढ़ी के 'नाविक' उपग्रहों के प्रक्षेपण की स्थिति और समय-सीमा क्या है तथा तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) 'नाविक' तारामंडल की बहाली की अपेक्षित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) से (घ)

आवश्यक सुधारात्मक उपायों को सीएमएस-03 उपग्रह में सम्मिलित करके सफलतापूर्वक लागू किया गया तथा उसका परीक्षण भी किया गया है। इसका अनुपालन अनुगामी उपग्रहों में भी किया जाएगा, जिनमें नाविक शृंखला के द्विप्रणोदक प्रणाली वाले उपग्रह शामिल हैं।

एनवीएस-02 में आई गड़बड़ी के बाद आवश्यक सुधार करने के पश्चात एनवीएस-03 प्रक्षेपण के लिए तैयार है। इसके बाद एनवीएस-04 और एनवीएस-05 को प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके पश्चात सात उपग्रह वाले नाविक बेस लेयर कांस्टेलेशन को पूरा करने के लिए एक और उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना है।

****